ISSN Print: 2394-7500
ISSN Online: 2394-5869
Impact Factor: 8.4
IJAR 2019; 5(8): 492-494
www.allresearchjournal.com
Received: 10-06-2019
Accepted: 19-07-2019

डां. श्रीमती संगीता सिंघल
एसोसियट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, सनातन धर्म महाविद्यालय, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश, भारत

Corresponding Author:
डां. श्रीमती संगीता सिंघल
एसोसियट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, सनातन धर्म महाविद्यालय, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश, भारत

उत्तर प्रदेश में जनसंख्या वितरण एवं वृद्धिः एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

डां. श्रीमती संगीता सिंघल

DOI: https://doi.org/10.22271/allresearch.2019.v5.i8g.9835

प्रस्तावना
'जनसंख्या के वितरण में आदिकाल से लेकर अब तक परिवर्तन होता रहा हैं। यद्यपि परिर्तन की गति एवं दिशा समय के अनुसार बदलती रहती है। पृथ्वी के विभिन्न भागों में जनसंख्या का वितरण अत्यधिक विषय है। भूतल पर मनुष्य कहाँ–कहाँ और कितनी संख्या में पाये जाते हैं? इसका विवरण जनसंख्या के विश्लेषण द्वारा प्रकट होता है। भूमि और जनसंख्या के सही सम्बंध को जानने के लिये क्षेत्रफल और जनसंख्या के अनुपात का ज्ञान होना आवश्यक है। जनसंख्या का वितरण एवं वृद्धि विभिन्न भौगोलिक एवं जनांकीय कारकों का प्रतिफल है। अतः उत्तर प्रदेश में जनसंख्या का वितरण एवं जनसंख्या वृद्धि का भौगोलिक वृद्धि का भौगोलिक एवं जनांकीय कारकों के प्रभाव दृष्टिगोचर होते है।

अध्ययन क्षेत्र
जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश भारत का सबसे बड़ा राज्य है। उत्तर प्रदेश भारत के उत्तरी भाग में $23^{0}52'$ उत्तरी अक्षांश से लेकर $30^{0}25'$, उत्तरी अक्षांश तथा $77^{0}3'$ पूर्वी देशान्तर से $84^{0}39'$ पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है। इसका कुल भौगोलिक क्षेत्रफल सम्पूर्ण देश का लगभग 7.3 प्रतिशत है। उत्तर प्रदेश का कुल क्षेत्रफल 2,40,928 वर्ग किमी0 है। क्षेत्र विस्तार की दृष्टि से राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र व आन्ध्र प्रदेश के बाद इस राज्य का देश में पाँचवा स्थान है। उत्तर प्रदेश न केवल जनसंख्या की दृष्टि से भारत का ही सबसे बड़ा राज्य है बल्कि पूरे विश्व के सभी 137 देशों के सन्दर्भ में जनसंख्या की दृष्टि से सभी बड़े देशों के साथ इस प्रदेश की गिनती की जाये तो यह चीन (134.4 करोड़) भारत (121.03 करोड़), संयुक्त राज्य अमेरिका (31.16 करोड) के बाद चौथे स्थान पर आता है।
वर्ष 2001 की जनगणनानुसार इस राज्य की जनसंख्या 16,61,97,921 है। इसमें पुरुष की संख्या 8,75,65,369 और महिलाओं की संख्या 7,86,32,552 थी। यह प्रदेश 70 जिलों, 298 तहसीलों, 809 विकासखण्डों, 5,209 ग्राम पंचायतों और 97,134 गांवों में फैला हुआ था। 2001 की जनगणना के अनुसार इस प्रदेश में जनघनत्व 689 प्रति वर्ग किमी0 था जबकि यह वर्ष 1991 में 548 प्रतिवर्ग किमी0 था। इस प्रकार विगत एक दशक में जनसंख्या का दबाव 141 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी0 बढा है। वर्ष 2011 की जनगणनानुसार, उत्तर प्रदेश की कुल जनसंख्या 19, 98, 12, 341 थी जिसमें ग्रामीण जनसंख्या 155317278 तथा नगरीय जनसंख्या 4,44,95,063 थी इस प्रकार वर्ष 2001–11 में जनसंख्या घनत्व में वृद्धि 139 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी0 बढ़ा है।

अध्ययन का उद्देश्य
प्रस्तुत शोधपत्र का मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश में जनघनत्व व जनसंख्या वृद्धि का अध्ययन करना हैं जनघनत्व के अध्ययन से जनसंख्या एवं भूमि अर्न्तसम्बन्धों को समझने में सहायता मिलती है। जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करने वाले कारकों तथा असमान वितरण को समझने में सहायता मिलती है। चूंकि उत्तर प्रदेश एक कृषि प्रधान राज्य है अतः बढ़ते जनघनत्व से प्रदेश में अनेक समस्यायें उत्पन्न हो रही हैं।

आँकड़े एवं विधि तंत्र
प्रस्तुत अध्ययन द्वितीय आँकड़ों पर आधारित है। ये आँकड़े भारत की जनगणना पुस्तिका द्वारा प्राप्त किये गये है तथा उनका उद्देश्यानुरूप सारणीयन एवं विभिन्न संख्याकीय विधियों से विश्लेषण किया गया हैं। अध्ययन क्षेत्र के भूमि सम्बंधी आँकड़े, उत्तर प्रदेश सामान्य अध्ययन पुस्तिका से प्राप्त किये गये है। अतएव व्याख्या द्वितीयक आँकड़ों की सूचनाओं पर आधारित है।

तालिका 1: उत्तर प्रदेश की जनसंख्या

वर्ष	कुल	ग्रामीण	नगरीय
2001	166052859	131540230	34512629
2011	19,98,12341	15,53,17278	4,44,95,063

स्रोत–जनगणना स्रोत

सन् 2011 की जनगणना के आँकड़ों के आधार पर उत्तर प्रदेश की कुल जनसंख्या 199812341 में 155317278 लाख ग्रामीण जनसंख्या तथा 44495,063 नगरीय जनसंख्या है। जिससे स्पष्ट है कि उत्तर प्रदेश की अधिकांश जनसंख्या गाँवों में निवास करती है।

जनसंख्या घनत्व

जनसंख्या घनत्व सामान्य अर्थों में एक निश्चित भू–भाग के सम्पूर्ण क्षेत्रफल एवं सम्पूर्ण जनसंख्या के अनुपात को कहा जाता है। जनसंख्या घनत्व की दृष्टि से देश के राज्यों में उत्तर प्रदेश का चौथा स्थान है जो निम्न तालिका 02 से स्पष्ट है। 1991 की जनगणना के अनुसार यहाँ प्रति वर्ग किमी0 जनघनत्व 548 था जबकि 2001 की जनगणना में यह 689 प्रतिवर्ग किमी0 हो गयी थी। वर्ष 2011 में उत्तर प्रदेश में जनघनत्व में 829 पाया गया। अतः स्पष्ट है कि पिछले एक दशक 2001–2011 में प्रदेश में जनसंख्या का दबाव 139 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी0 बढ़ा है। उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक जनघनत्व गाजियाबाद में 3971 है इसके बाद वाराणसी में 2395, लखनऊ में 1816, तथा संतरविदास नगर भदोही में 1555, कानपुर नगर में 1452 है। वर्तमान समय में सबसे कम जनसंख्या घनत्व 242 ललिपुर जिले का है।

तालिका 2: भारत व उत्तर प्रदेश में जनघनत्व

वर्ष	व्यक्ति प्रतिवर्ग किमी0 भारत में	व्यक्ति प्रतिवर्ग किमी0 उत्तर प्रदेश में
1901	77	165
1911	82	164
1921	81	159
1931	90	169
1941	103	192
1951	107	215
1961	142	251
1971	177	300
1981	216	377
1991	267	548
2001	324	689
2011	382	829

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि 1981 की जनगणनानुसार प्रदेश की जनघनत्व 377 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी0 था। वर्ष 1991 में यह बढ़कर 548 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी0 हो गया तथा वर्ष 2001 में यह बढ़कर 689 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी0 हो गया अर्थात् घनत्व में वृद्धि की प्रवृत्ति है तथा सन् 2001 की जनगणना में तो सम्पूर्ण देश की तुलना में यह दुगुने से भी अधिक है तथा 2011 की जनगणना के अनुसार यह बढ़कर 829 प्रति वर्ग किमी हो गया है।

उत्तर प्रदेश की प्रति इकाई कृषि भूमि पर औसतन कितने मनुष्यों का भार है? तथा उत्तर प्रदेश में खाद्यान्नों के अन्तर्गत प्रयुक्त प्रति इकाई इसका विश्लेषणात्मक अध्ययन करने पर निम्न तालिका प्राप्त की गई है–

तालिका 3: उत्तर प्रदेश विभिन्न प्रकार के घनत्व

घनत्व के प्रकार	घनत्व प्रति की किमी.	
	2001	2011
अंकगणितीय घनत्व	689	829
कायिक घनत्व	872	789.6
कृषि घनत्व	–	513

तालिका 3.0 से स्पष्ट है कि वर्ष 2011 में अंकगणितीय घनत्व 829 प्रति वर्ग किमी पाया गया जोकि वर्ष 2001 में 689 प्रति वर्ग किमी था। इसके द्वारा प्रति इकाई क्षेत्रफल में रहने वाले व्यक्तियों की औसत संख्या का बोध होता है।

$$\text{अंकगणितीय घनत्व} = \frac{\text{प्रदेश की कुल जनसंख्या}}{\text{प्रदेश का कुल क्षेत्रफल}}$$

तालिका से स्पष्ट है वर्ष 2011 में कायिक घनत्व 789.6 है जोकि वर्ष 2001 में 872 था।

उत्तर प्रदेश में कायिक घनत्व से यह ज्ञात होता है कि प्रदेश की प्रति इकाई कृषि भूमि पर औसतन कितने मनुष्यों का भार है। इसमें प्रदेश की कुल जनसंख्या को प्रदेश की कुल कृषि योग्य भूमि से भाग देकर ज्ञात किया गया है तथा इस घनत्व की गणना में यह मान लिया जाता है कि किसी देश में निवास करने वाले सभी लोगों की जीविका कृषि पर आधारित है।

$$\text{कायिक घनत्व} = \frac{\text{प्रदेश की कुल जनसंख्या}}{\text{प्रदेश की कुल कृषि योग्य भूमि}}$$

कृषि घनत्व

कृषि घनत्व, कुल कृषि योग्य भूमि और कृषि पर आधारित जनसंख्या के पारस्परिक सम्बंध को प्रकट करता है इसकी गणना के लिये कुल जनसंख्या में से ऐसे व्यक्तियों को अलग कर दिया गया जो अपनी जीविका अन्य किसी व्यवसाय से प्राप्त करते है।

$$\text{कृषि घनत्व} = \frac{\text{कृषि में संलग्न या कृषि पर आधारित जनसंख्या}}{\text{कुल कृषि योग्य भूमि}}$$

वर्ष 2011 में कृषि घनत्व 513 प्रति वर्ग किमी0 है।

तालिका 4: उत्तर प्रदेश में विभिन्न दशकों में जनसंख्या वृद्धि दर

जनगणना वर्ष	कुल जनसंख्या करोड़ में	जनसंख्या में दशकीय वृद्धि दर प्रतिशत में	वार्षिक वृद्धि दर प्रतिशत में	जन घनत्व प्रति वर्ग किमी0
1901	4.86	––	––	165
1911	4.82	(–) 1.55	(–) 0.15	164
1921	4.66	(–) 3.16	(–) 0.30	159
1931	4.98	6.56	0.62	169
1941	5.65	13.57	1.27	192
1951	6.32	11.78	1.11	215
1961	7.38	16.38	1.48	251
1971	8.83	19.54	1.73	300

1981	11.09	25.39	2.8	377
1991	13.91	25.55	2.29	548
2001	16.60	25.80	2.33	689
2011	19.98	20.22	1.76	829

स्रोत: जनसंख्या अध्ययन ''डॉ0 रंजना एस0 जैन एवं शशी के0 जैन'' पृष्ठ 300 व जनगणना 2011

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि यहाँ जनसंख्या की राजकीय वृद्धि दर (1991–2001) 25.80 प्रतिशत है। यदि विभिन्न दशकों में भारत व उत्तर प्रदेश में जनसंख्या वृद्धि दरों को रखें तो तालिका 05 से स्पष्ट है कि उत्तर प्रदेश की जनसंख्या की दशकीय वृद्धि दर 1971 से 2001 के बीच लगातार सम्पूर्ण भारत की वृद्धि दर से अधिक रही है तथा इस वृद्धि दर की गति में 1991–2001 की जनगणना में भी कमी का संकेत न होकर वृद्धि का ही रहा है। दशकीय वृद्धि दर (1991–2001) 21.54 प्रतिशत है। जबकि उत्तर प्रदेश में इसी दौरान वृद्धि दर 25.80 है अर्थात् उत्तर प्रदेश में सम्पूर्ण देश की दशकीय वृद्धि दर की तुलना में 4.26 प्रतिशत अधिक है। यह वर्ष 2011 के दौरान वृद्धि दर 20.22 रही जो 2001 की वृद्धि दर की तुलना में कम रही।

तालिका 5: विभिन्न दशकों में भारत व उत्तर प्रदेश में जनसंख्या वृद्धि दर

दशक	सम्पूर्ण भारत	उत्तर प्रदेश
1901–1911	+5.75	–0.9
1911–1921	–0.31	–3.08
1921–1931	+14.22	+6.6
1931–1941	+14.22	13.5
1941–1951	13.31	21.8
1951–1961	21.51	16.7
1961–1971	24.80	19.7
1971–1981	24.60	25.4
1981–1991	23.87	25.61
1991–2001	21.54	25.80
2001–2011	17.6	20.09

स्रोत: जनगणना–2011

उपरोक्त अध्ययन से स्पष्ट है कि जन घनत्व अधिक होने से राज्य में विद्यमान संसाधनों पर दबाव बढ़ता जा रहा है। भूमि, भोजन सामग्री, वस्त्र, आवास, ईंधन, परिवहन, उद्योग, उत्पादन, विभिन्न सेवाओं, आदि पर प्रति इकाई भार बढ़ता जा रहा है। जन वृद्धि दर में तीव्र गति से वृद्धि होने के कारण प्रदेश में व्याप्त गरीबी को कम करने में भी सफलता नहीं मिल पाई है। अतः प्रदेश में जनसंख्या के तेजी से बढ़ने के कारण न केवल नयी–नयी कठिनाईयाँ पैदा हो रही हैं बल्कि दूसरी बहुत सी समस्याओं को हल कर पाना मुश्किल होता जा रहा है। प्रदेश के विकास के लिए बनाई गयी योजनायें लागू करने से पहले ही फ्लॉप होती जा रही है।

उत्तर प्रदेश के जन घनत्व अध्ययन से स्पष्टतः दृष्टिगोचर होता है कि जन घनत्व में वृद्धि का एक कारण यह है कि उत्तर प्रदेश की मिट्टी की उर्वरता एवं आधारभूत सुविधाओं की स्थिति के कारण यहाँ जन बसाव अधिक है। अतः बढ़ती हुई जनसंख्या की समस्या से निपटने के लिए उसकी वृद्धि पर नियंत्रण करना तथा संसाधनों का संरक्षण करना अब अति आवश्यक हो गया है। अतः यह आशा की जा सकती है कि प्रदेश की नई जनसंख्या नीति में किये गये प्राविधानों को लागू किये जाने से अगले कुछ ही वर्षों में यहां जनसंख्या वृद्धि में कमी आयेगी।

सन्दर्भ

1. जैन, रंजना एस0 तथा जैन, शशी के0, जनसंख्या अध्ययन, रिसर्च पब्लिकेशन्स, जयपुर।
2. उत्तर प्रदेश, सामान्य अध्ययन, 2006–07, ए0बी0डी0 ग्रुप ऑफ पब्लिकेशन्स, मेरठ।
3. प्रतियोगिता साहित्य, उत्तर प्रदेश 2006, साहित्य भवन पब्लिकेशन्स, आगरा।
4. सिंह, सुदामा तथा राजीव कृष्ण, 2003, भारतीय अर्थव्यवस्था, चतुर्थ संस्करण, राधा पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।
5. जनगणना 2011।
6. जनसंख्या भूगोल, डॉ0 चतुर्भुज मामोरिया साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा, उत्तर प्रदेश।